अनुदान संख्या 44 – भारी उद्योग विभाग
GRANT No. 44 - DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY

				कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
						(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्वः	**Revenue:**					
स्वीकृत–	Voted-					
मूल	Original	984,99,00		985,01,00	758,87,61	-226,13,39
पूरक	Supplementary	2,00				
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year					225,54,31
पूंजीगतः	**Capital:**					
स्वीकृत–	Voted-					
मूल	Original	1615,01,00		1615,02,00	345,74,00	-1269,28,00
पूरक	Supplementary	1,00				
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year					1269,27,00

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ :–

Notes and comments

1. In the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head				
मुख्य शीर्ष "3451"	Major Head "3451"				
सचिवालय–आर्थिक सेवाएं	Secretariat - Economic Services				
मू.	O.	2860.00			
पू.	S.	1.00	3026.00	2970.10	-55.90
पु.	R.	165.00			

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving-
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
मुख्य शीर्ष “2852”	Major Head “2852”				
उद्योग	Industries				
मू.	O.	95639.00			
पू.	S.	1.00	72920.69	72917.51	-3.18
पु.	R.	-22719.31			

(I) मुख्य शीर्ष “2852” – “सामान्य – अन्य व्यय” के अतंर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं :–

(I) Under Major Head “2852” - “General - Other Expenditure” - savings occurred under the following heads:-

(का) “आटोमोबाइल उद्योग विकास” – ₹18672.73 लाख की बचत (मार्च, 2018 में प्राप्त किए गए ₹1.00 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹68289.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एनएटीआरआईपी परियोजना के शुरू न लिए जाने, एफएएमई भारत में प्रस्तावों की प्राप्ति न होने, उपयोग प्रमाणपत्र प्राप्त न होने के कारण हुई।

(A) “Development of Automobile Industry” - saving of ₹18672.73 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹68289.00 lakhs including token supplementary grant of ₹1.00 lakh obtained in March, 2018) was due to non taking off of NATRIP projects, non-receipt of proposals in FAME India and non-receipt of utilisation certificates.

(खा) “पूंजीगत वस्तु क्षेत्र का विकास” – ₹4040.76 लाख की बचत (₹27050.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रो–राटा उद्योग अंशदान की प्राप्ति में विलंब होने के कारण हुई।

(B) “Development of Capital Goods Sector”- saving of ₹4040.76 lakhs (against the sanctioned provision of ₹27050.00 lakhs) was due to delay in receipt of the pro-rata industry contribution.

2. उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹165.00 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसाकि दिसंबर, 2017 में मुख्य शीर्ष “3451” – “सचिवालय – भारी उद्योग विभाग” के अंतर्गत ₹1.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले सूचित कर दिया गया था। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹109.10 लाख था।

2. The above savings were partly (₹165.00 lakhs) utilised for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹1.00 lakh in December, 2017 under Major Head “3451” - “Secretariat - Department of Heavy Industry”. Actual excess, however, was ₹109.10 lakhs.

3. अनुदान के पूंजीगत भाग में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआः–

3. In the capital section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
मुख्य शीर्ष "4552" पूर्वोत्तर क्षेत्र पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "4552" Capital Outlay on North Eastern Areas				
मू.	O.	9500.00			
			..	..	..
पु.	R.	-9500.00			
मुख्य शीर्ष "4858" इंजीनियरी उद्योग पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "4858" Capital Outlay on Engineering Industries				
मू.	O.	24356.00			
			..	..	..
पु.	R.	-24356.00			
मुख्य शीर्ष "4860" उपभोक्ता उद्योग पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "4860" Capital Outlay on Consumer Industries				
मू.	O.	2484.00			
			1000.00	1000.00	..
पु.	R.	-1484.00			
मुख्य शीर्ष "6858" इंजीनियरी उद्योग के लिए कर्ज	Major Head "6858" Loans for Engineering Industries				
मू.	O.	125154.00			
			29574.00	29574.00	..
पु.	R.	-95580.00			

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
मुख्य शीर्ष "6860"	Major Head "6860"				
उपभोक्ता उद्योगों के लिए कर्ज	Loans for Consumer Industries				
मू.	O.	6.00			
पू.	S.	1.00	4001.00	4000.00	-1.00
पु.	R.	3994.00			

(I) ₹33872.00 लाख का प्रावधान तेईस शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; इनमें से ₹33851.00 लाख निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत अकेले लेखाबद्ध किए गए।

(I) Provision of ₹33872.00 lakhs remained wholly unutilised under twenty three heads; of these ₹33851.00 lakhs accounted for under the following major heads:-

(का) मुख्य शीर्ष "4552" – "पेपर और न्यूज़प्रिंट – सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों में निवेश– हिंदुस्तान पेपर निगम लिमिटेड" – ₹9500.00 लाख – हिंदुस्तान पेपर निगम लिमिटेड के पुनरूद्वार पर कैबिनेट नोट की मंजूरी नहीं मिलने के कारण हुई।

(A) Major Head "4552" - "Paper and Newsprint-Investment in Public Sector and Other Undertakings - Hindustan Paper Corporation Limited" - ₹9500.00 lakhs - due to non-approval of Cabinet note on revival of Hindustan Paper Corporation.

(खा) मुख्य शीर्ष "4858" – "अन्य इंजीनियरी उद्योग – सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों में निवेश – हिंदुस्तान केबल्स लिमिटेड में निवेश" – ₹24351.00 लाख असुरक्षित लेनदारों सहित वित्तीय निपटान के मूर्तरूप न लिए जाने के कारण हुई।

(B) Major Head "4858" - "Other Engineering Industries - Investment in Public Sector and Other Undertakings - Investment in Hindustan Cables Limited" - ₹24351.00 lakhs - due to non-materialisation of financial settlement with unsecured creditors.

(II) मुख्य शीर्ष "4860" – "अन्य – सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों में निवेश – सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में निवेश" – ₹1481.00 लाख की बचत (₹2481.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कंपनी के नकारात्मक शुद्ध मूल्य एवं सेल्स/टर्नओवर में कमी होने की वजह से कम निवेश होने के कारण हुई।

(II) Under Major Head "4860" - "Others - Investments in Public Sector and Other Undertakings - Investment in PSUs"- saving of ₹1481.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2481.00 lakhs) was due to less investment owing to company's negative networth and decline in sales/turnover.

(II) मुख्य शीर्ष “6858” – “अन्य इंजीनियरी उद्योग – सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों को कर्ज” – बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईः–

(क) “स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और पृथक्करण स्कीम तथा सांविधिक देयताओं की अदायगी का कार्यान्वयन” – ₹19827.00 लाख की बचत (₹25000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(खा) “सार्वजनिक क्षेत्र के रूग्ण उद्यमों के बंद करने का कार्यान्वयन” – (₹75745.00 लाख की बचत (₹100146.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत सीपीएसई के समाप्त होने के लिए कम प्रस्तावों की प्राप्ति होने के कारण हुई।

4. उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹3998.00 लाख) प्रयुक्त हो गई जैसाकि मार्च, 2018 में मुख्य शीर्ष “6860” – “पेपर और न्यूज़प्रिंट – सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों को कर्ज – हिंदुस्तान पेपर निगम लिमिटेड” के अंतर्गत ₹1.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹3997.00 लाख था।

(III) Under Major Head “6858” - “Other Engineering Industries - Loans to Public Sector and Other Undertakings” - savings occurred under the following heads:-

(A) “Implementation of Voluntary Retirement and Separation Scheme (VRS/VSS) and Payment of Statutory Dues” - saving of ₹19827.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹25000.00 lakhs); and

(B) “Implementation of Closure of sick Public Sector Enterprises” - saving of ₹75745.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹100146.00 lakhs).

Savings under the above two heads were due to less proposals for closure of CPSEs.

4. The above savings were partly (₹3998.00 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹1.00 lakh in March, 2018 under Major Head “6860” - “Paper and Newsprint - Loans to Public Sector and Other Undertakings - Loans to Hindustan Paper Corporation Limited”. Actual excess, however, was ₹3997.00 lakhs.